# दिल्ली विधान सभा
## कार्य सूची

शुक्रवार, 26 जुलाई, 1996 / श्रावण 04, 1918 (शक)

अपराह्न 2.00 बजे

1. प्रश्न

पृथक सूची में दिए गए प्रश्न पूछे जायेंगे और उनके उत्तर दिए जायेंगे ।

2. विशेष उल्लेख--

सदस्यों द्वारा पृथक सूची में दिए गए मामलों का उल्लेख किया जायेगा ।

3. ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

श्री मेवा राम आर्य :
श्री स्वरूप चन्द राजन:

" दिनांक 24.7.1996 को दक्षिणी दिल्ली के गीतांजली एनक्लेव में एक ही परिवार के पाँच सदस्यों की जघन्य हत्या व दिल्ली में निरंतर बढ़ती हुई हत्याओं से उत्पन्न स्थिति पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करेंगे ।"

4. पुर:स्थापन एवं चर्चा हेतु गैर सरकारी संकल्प

(क) दिनांक 22 मार्च, 1996 को डा. ए. के. वालिया द्वारा प्रस्तुत संकल्प पर आगे चर्चा :-

" यह सदन संकल्प करता है कि पूर्वी दिल्ली को, जिसकी आबादी दिल्ली की कुल आबादी का 1/3 है, कुल जल आपूर्ति का 1/3 भाग दिया जाए ।"

(ख) श्री शीश पाल :-

" यह सदन सिफारिश करता है कि दिल्ली के शहरीकृत एवं देहाती गाँवों के मकानों पर लगने वाले संपत्ति कर को तुरन्त समाप्त किया जाए ।"

...2/-

(ग) श्री गौरी शंकर भारद्वाज :-

" यह सदन संकल्प करता है कि दिल्ली के विद्यालयों में प्रथम कक्षा से द्वादश कक्षा तक (1 से 12) कक्षाओं के लिए निर्धारित विभिन्न विषयों की पाठ्य-पुस्तकों से वैदिक वाङ्मय भारतीय संस्कृति, इतिहास, कला व साहित्य, राजनिति विज्ञान, समाज शास्त्र एवं दर्शन शास्त्र के संबंध में प्रकाशित सभी भ्रांत धारणाओं एवं पाश्चात्य विचारकों द्वारा प्रस्तुत सभी मान्यताओं वाले अंशों को निकाल दिया जाए तथा उनके स्थान पर ऐतिहासिक गवेषणाओं व पुरातत्व साक्ष्यों से प्रमाणित तथ्यपरक सिद्धांतों वाले अंशों का समावेश किया जाए ताकि छात्रों को भारतीयता की स्पष्ट सत्य पहचान का ज्ञान कराया जा सके । पाठ्य-पुस्तकों में उक्त संशोधन हेतु शिक्षा शास्त्रियों, इतिहास विदों एवं विद्वान शिक्षकों को एक समिति गठित की जाए जो राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् (एन. सी. ई. आर. टी.) तथा दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरो को पाठ्यक्रम का संशोधित प्रारूप स्वीकृति हेतु भेजें ।"

(घ) श्री दर्शन कुमार बहल :-

" दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान द्वारा दिल्ली की जनता को नियमित रूप से बिजली देने में पूर्णतया असफल रहने के कारण जनता में अत्यंत असंतोष एवं निराशा से उत्पन्न स्थिति और दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान का अपना ढांचा इन हालात को ठीक करने में असफल होने के कारण यह सदन संकल्प करता है कि बिजली वितरण का निजीकरण किया जाए ।"

पी. एन. गुप्ता
सचिव

DELHI VIDHAN SABHA

LIST OF BUSINESS

Friday, July 26, 1996 / Shravan 04, 1918 (Saka)

2.00 P.M.

1. QUESTIONS

Questions entered in separate list to be asked and answers given.

2. SPECIAL MENTION

Matters to be raised by Members as given in separate list.

3. CALLING ATTENTION MOTION

Shri Mewa Ram Arya :

Shri Swaroop Chand Rajan :

to call the attention of Chief Minister to the situation arising out of gruesome murder of five members of the same family in Gitanjali Enclave of South Delhi on 24.7.96 and increasing cases of murders in Delhi.

4. PRIVATE MEMBERS' RESOLUTIONS FOR INTRODUCTION &DISCUSSION

(a) Further discussion on the following resolution moved by Dr. A.K. Walia on 22nd March, 1996 :-

"This House resolves that East Delhi having 1/3rd population of Delhi be Given 1/3rd of Delhi's total water supply."

(b) Shri Shish Pal :-

"This House recommends that the House Tax on Urbanised and Rural Villages be abolished forthwith."

(c) Shri Gauri Shankar Bhardwaj :-

"This House resolves that all the portions having illusory concepts and views based on Western ideology be deleted from the text-books prescribed from Primary to Senior Secondary level (from Class I to XII) in Delhi Schools published about vedic literature, Indian Culture, History, Art & Literature, Political Science, Sociology and Philosophy and the same be substituted by relevant facts/portions as have been established by historical researches & archaeological evidences so as to make the students aware of the real Indian vision and the facts with a view to carry out the above curriculum amendments.

...2/..

A Committee of Educational Experts including Historians & eminent academicians be constituted who shall submit its recommendations to NCERT and Delhi Textbook Bureau regarding revised syllabus for approval."

(d) Shri Darshan Kumar Behl :-

" In view of the utter failure of DESU in providing uninterrupted Supply of electricity to the residents of Delhi, which has resulted in extreme dissatisfaction and frustration among the citizens and the present structure of DESU being unable to rectify the situation, this House resolves that the distribution of electricity in Delhi be privatised forthwith."

P.N. GUPTA
SECRETARY